सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 156 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 11 जुलाई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

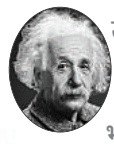

जो छोटी-छोटी बातों में सच को गंभीरता से नहीं लेता है, उस पर बड़े मसलों में भी भरोसा नहीं किया जा सकता।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

भारत के युवा खिलाड़ियों ने फिर... 7
गैर तो गैर हैं अपने भी दे रहे बीजपी... 3
अयोध्या में हुआ जमीन का सबसे... 2

बजट से पहले सहयोगियों की मांग से बढ़ी एनडीए सरकार की टेंशन

- पीएम मोदी व वित्त मंत्री सीतारमन पर बढ़ा दबाव
- जदयू-टीडीपी ने बजट में मांगा अधिक धन
- नीतीश की पार्टी ने विशेष राज्य के दर्जे की मांग दोहराई
- चंद्रबाबू नायडू ने भी कई योजनाओं के लिए मांगी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए सरकार अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट लाने की तैयारी कर रही है। इसी के तहत प्रधानमंत्री से लेकर वित्त मंत्री तक इससे पहले विभिन्न संगठनों से बातचीत कर रहे हैं। इन सबके बीच सियासी पारा भी चढ़ा है। जहां विपक्ष आमजन से जुड़े कामों को बजट में तरजीह देने की मांग कर रहा है वहीं मोदी सरकार में शामिल सहयोगी दलों ने अपने-अपने राज्यों के लिए विशेष मांग करके बीजेपी के माथे पर बल ला दिया है।

वित्त मंत्री 23 जुलाई को पेश करेंगी बजट

गौरतलब हो कि एनडीए सरकार को बिहार की जदयू व आंध्रप्रदेश की टीडीपी का समर्थन प्राप्त होने से ही ये सरकार चल रही है। ऐसे में चर्चा है इन दोनों पार्टियों की मांग को मानना सरकार के लिए मजबूरी है अन्यथा सरकार पर खतरा आ सकता है। पर उधर भाजपा ने कहा ऐसा कुछ नहीं है सब निपट जाएगा। सूत्र ने दावा किया कि पिछले महीने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट-पूर्व बैठक के दौरान अनुरोध किया गया था, साथ ही यह भी कहा कि केंद्र ने अभी तक आवंटन पर निर्णय नहीं लिया है। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट पेश करेंगी। इस बार आम बजट में उद्योग के साथ मध्य और निम्न मध्यवर्ग को बड़ी राहत मिलने की संभवना जताई जा रही है।

नायडू ने 12 अरब डॉलर से अधिक का किया अनुरोध

तेलुगु देशम पार्टी के एन चंद्रबाबू नायडू ने भी अगले कुछ वर्षों में आंध्र प्रदेश के लिए 12 अरब डॉलर से अधिक का अनुरोध किया है। चंद्र बाबू नायडू के अनुरोधों में आंध्र प्रदेश की राजधानी, अमरावती और पोलावरम सिंचाई परियोजना के विकास के लिए धन शामिल है। वह विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और अमरावती में मेट्रो परियोजनाओं, एक हल्की रेल परियोजना और विजयवाड़ा से मुंबई और नई दिल्ली के लिए वंदे भारत ट्रेन के लिए भी समर्थन चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पिछड़े जिलों और रामायपट्टनम बंदरगाह और कडप्पा में एक एकीकृत इस्पात संयंत्र जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अनुदान मांगा है।

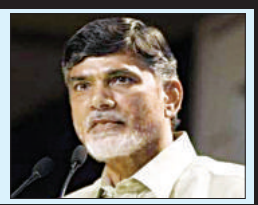

प्रधानमंत्री ने प्रमुख अर्थशास्त्रियों से की चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ बैठक कर आम बजट के संदर्भ में उनकी राय जानेंगे। इस बैठक के दौरान मुख्य रूप से आम बजट के प्रावधानों के जरिए विकसित भारत का रोडमैप तैयार करने, निवेश हासिल करने के लिए आर्थिक सुधार की रफ्तार तेज करने और मध्य-निम्न मध्यवर्ग को राहत देने के उपायों पर बातचीत होगी। वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक बैठक में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी और अन्य सदस्य, वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शिरकत करेंगे। दरअसल, सरकार की योजना अधिक से अधिक निवेश हासिल करने के लिए आर्थिक सुधारों की रफ्तार तेज करने की है। बैठक में पीएम विशेषज्ञों से यह जानना चाहेंगे कि किस क्षेत्र में किस स्तर पर सुधार की आवश्यकता है।

नीतीश ने की बजट से 3.6 बिलियन डॉलर की मांग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गठबंधन सरकार को एक महत्वपूर्ण परीक्षा का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उनके दूसरे सबसे बड़े सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार ने कथित तौर पर बिहार राज्य परियोजनाओं के लिए 23 जुलाई को पेश किए जाने वाले बजट से 3.6 बिलियन डॉलर की मांग की है।

बिहार और आंध्र प्रदेश ने ज्यादा लाभ मांगा

बिहार और आंध्र प्रदेश दोनों ही आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे हैं और अपने विकासात्मक खर्च को सीमित कर रहे हैं। बिहार में, 40 प्रतिशत से अधिक राजस्व वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान में जाता है। 2023 वित्तीय वर्ष में लगभग 59,000 रुपये की प्रति व्यक्ति आय के साथ, बिहार भारत के सबसे गरीब राज्यों में से एक बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार और आंध्र प्रदेश के संयुक्त अनुरोध सरकार के 22 लाख करोड़ रुपये के वार्षिक खाद्य सब्सिडी बजट के आधे से अधिक हैं। केंद्रीय बैंक से रिकॉर्ड लाभांश और बढ़े हुए कर राजस्व ने इस वर्ष कुछ राजकोषीय छूट प्रदान की है। दोनों सहयोगी अपने राज्यों में अधिक उधार लेने की क्षमता पर जोर दे रहे हैं। बिहार बिना किसी शर्त के 1प्रतिशत अतिरिक्त उधार की गुंजाइश चाहता है, जबकि आंध्र प्रदेश ने कथित तौर पर 0.5प्रतिशत का अनुरोध किया है। बिहार के भी विशिष्ट अनुरोध हैं जिनमें नौ हवाई अड्डों, चार नई मेट्रो लाइनों और सात मेडिकल कॉलेजों के लिए पैसा मांगा।

सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट पहुंची जांच रिपोर्ट

पेपर लीक मामले की सुनवाई 18 जुलाई को

- सीबीआई ने दाखिल की रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में सीलबंद लिफाफे में जांच रिपोर्ट गुरुवार को दाखिल कर दी है। इस मामले की सुनवाई अब 18 जुलाई को होगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में एनटीए ने भी अपना जवाब दाखिल किया था। शिक्षकों द्वारा सीबीआई पर सवाल उठाया जा रहा है कि जब कोई गड़बड़ी हुई ही नहीं है तो हजारी बाग में जला हुआ पेपर क्या है? बता दें कि शिक्षकों का यह सवाल उस रिपोर्ट पर आया है, जिसमें सीबीआई ने बताया है कि पेपर हजारीबाग से चोरी हुए थे। सीबीआई ने स्थापित किया है कि एनईईटी यूजी घोटाले से संबंधित पेपर हजारी बाग के ओएसिस स्कूल द्वारा लीक किया गया था। वहां पहुंचे कागजात के दो सेट की सील टूटी हुई थी और स्कूल का स्टाफ मामले को जानकारी निर्धारित लोगों को देने की बजाय चुप्पी साधे रहा।

यूपी में पेपर लीक और भर्ती घोटाले में दो विधायकों समेत 8 लोगों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

वहीं एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, उत्तर प्रदेश की एक अदालत ने पेपर लीक और भर्ती घोटाले से जुड़े एक मामले में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के विधायक बेदी राम और निषाद पार्टी के विधायक विपुल दुबे सहित 18 लोगों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट का आदेश दिया है। बेदी राम गाज़ीपुर के जखनिया निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि विपुल दुबे भदोही के ज्ञानपुर से विधायक हैं। विशेष न्यायाधीश पुष्कर उपाध्याय ने गैंगस्टर एक्ट के तहत 2006 के एक मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। साथ ही कोर्ट ने इंस्पेक्टर कृष्णा नगर को 26 जुलाई को सभी आरोपियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाया कि रेलवे ग्रुप-डी परीक्षा का प्रश्न पत्र 25 फरवरी, 2006 को लीक हो गया था। एसटीएफ को भर्ती प्रक्रिया में शामिल कई उम्मीदवारों के मूल दस्तावेजों के साथ-साथ कई अन्य दस्तावेज भी मिले। सभी संदिग्धों के खिलाफ कृष्णा नगर थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी भारतीय टीम!

- बीसीसीआई वेन्यू बदलने के लिए आईसीसी से करेगा बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल 2025 में पाकिस्तान की मेजबानी में होनी है। इस इवेंट से पहले ही बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने ये कह दिया था कि भारत पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा, लेकिन फिर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड तैयारियों में जुटा हुआ है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि भारत पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा और बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू में बदलाव करने को लेकर आईसीसी से बात करेगा।

बीसीसीआई आईसीसी से ये मांग करेगा कि चैंपियंस ट्रॉफी के मैच दुबई या श्रीलंका में कराए जाए। हालांकि, भारत के पाकिस्तान नहीं जाने के फैसले को लेकर बीसीसीआई का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें कि साल 2008 के बाद से भारत ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया।

बीसीसीआई का ये अपना फैसला : उमर अब्दुल्ला

उमर अब्दुल्ला ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान न जाने की संभावनाओं के सवाल पर कहा कि यह बीसीसीआई का अपना फैसला है। उन्होंने कहा,काफी सालों से दोनों देशों ने द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है, टूर्नामेंट के लिए न जाना बीसीसीआई का अपना फैसला है। मैंने हमेशा कहा है कि इन दोनों देशों में बेहतर रिश्ते कायम करना सिर्फ हमारे देश की जिम्मेदारी नहीं है, अगर बेहतर रिश्ते बनाने है तो इसमें पाकिस्तान की भी जिम्मेदारी बनती है।

अयोध्या में हुआ जमीन का सबसे बड़ा घोटाला : अखिलेश

सपा प्रमुख का आरोप- बाहरी लोगों को जमीन बेची गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि अयोध्या में जमीन के नाम पर अरबों का घोटाला हुआ है। उन्हानें बाहरी लोगों को जमीन की कथित बिक्री को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने इन भूमि सौदों की गहन जांच की भी मांग की। उन्होंने एक एक्स पोस्ट में लिखा कि जैसे-जैसे अयोध्या की ज़मीन के सौदों का भंडाफोड़ हो रहा है, उससे ये सच सामने आ रहा है कि भाजपा राज में अयोध्या के बाहर के लोगों ने मुनाफ़ा कमाने के लिए बड़े स्तर पर ज़मीन की ख़रीद-फ़रोख़्त की है।

सपा नेना ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पिछले 7 सालों से सर्किल रेट न बढ़ाना, स्थानीय लोगों के ख़िलाफ़ एक आर्थिक षड्यंत्र है। इसकी वजह से अरबों रुपये के भूमि घोटाले हुए हैं। वहीं, इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा था कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसी तरह हराएगी, जैसे उसने हालिया लोकसभा चुनाव में अयोध्या में उसे हराया। लोकसभा

में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। गांधी ने कहा, ''उन्होंने (भाजपा ने) हमें धमकाकर और हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाकर हमें चुनौती दी है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सब मिलकर उनकी सरकार को उसी तरह तोड़ देंगे जैसे उन्होंने हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाया है। यह लिखकर ले लीजिए कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव लड़ेगी और नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को गुजरात में हराएगी, जैसा हमने अयोध्या में किया था।

'धांधली' और भूमि सौदों की गहन जांच हो

यहाँ आस्थावानों ने नहीं बल्कि भू-माफ़ियाओं ने ज़मीनें ख़रीदी हैं। उन्होंने कहा कि इन सबसे अयोध्या-फ़ैज़ाबाद और आसपास के क्षेत्र में रहनेवालों को इसका कोई भी लाभ नहीं मिला। ग़रीबों और किसानों से औने-पौने दाम पर ज़मीन लेना, एक तरह से ज़मीन हड़पना है। हम अयोध्या में तथाकथित विकास के नाम पर हुई 'धांधली' और भूमि सौदों की गहन जाँच और समीक्षा की माँग करते हैं।

यूपी के कृषि मंत्री दूसरे ग्रह पर रहते हैं : लालजी

सपा सांसद लालजी वर्मा ने योगी कैबिनेट पर हमला बोला है। सपा सांसद लालजी वर्मा ने तंज कसते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब यूपी के कृषि मंत्री दाल के दाम बताकर हंसने लगे तो जूनियर मंत्री ने भी ऐसा ही किया। जब पत्रकारों ने पूछा कि यह 20 रुपये में कहां मिलता है। 100 प्रति किलो, मंत्रीजी फिर हंसने लगे उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि यूपी के माननीय कृषि मंत्री किसी दूसरे ग्रह पर रहते हैं, तभी तो उन्हें दाल का भाव नहीं पता, इस समय अरहर दाल 200 से 250 रुपये प्रति किलो बिक रही है।

राजकुमार आनंद पर बीजेपी का दबाव : सौरभ भारद्वाज

» बोले- दलित कमजोर नहीं उसने लोस चुनाव में दिखाई ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राजकुमार आनंद के ऊपर ईडी की जांच चल रही थी। वह दबाव में थे। उनके पार्टी छोड़ने के बाद हमने कहा था कि वह जल्द ही बीजेपी में शामिल हो जाएंगे और आज वह बीजेपी में शामिल हो गए। छतरपुर सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक करतार सिंह तंवर और दिल्ली के पूर्व मंत्री राज कुमार आनंद मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

दलित समुदाय से आने वाले आनंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में मंत्री थे। इस साल अप्रैल में उन्होंने उत्पाद शुल्क मामले में पार्टी के संयोजक की गिरफ्तारी के बाद भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आप छोड़ दी थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पार्टी में दलित विधायकों और पार्षदों को उचित सम्मान नहीं दिया जाता है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं सभी को याद दिलाना चाहता हूं कि दलित कमजोर नहीं हैं और उन्हीं के कारण भाजपा (लोकसभा चुनाव में) 250 से भी कम सीटों पर सिमट गयी। भारद्वाज ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव ने बता दिया कि विपक्ष की डराने-धमकाने और उसे बदनाम करने की बीजेपी रणनीति अब काम नहीं करने वाली है। अब विपक्ष मज़बूत है और आने वाले दिनों में और भी मज़बूत होगा। विपक्ष सरकार के जनविरोधी फ़ैसलों पर सवाल उठाएगा और जनता की आवाज़ को बुलंद करेगा।

विश्व में इतना असहाय, अशक्त सीएम कहीं नहीं : तेजस्वी यादव

» पूर्व डिप्टी सीएम ने मुख्यमंत्री के हाथ जोड़ने पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सीएम नीतीश कुमार द्वारा एक अधिकारी के सामने हाथ जोड़ने पर सियासत गरमा गई है। अब नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर फिर से हमला बोला है। उन्होंने सीएम नीतीश के लिए आठ विशेषण का उपयोग किया।

उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में इतना असहाय, अशक्त, अमान्य, अक्षम, विवश, बेबस, लाचार और मजबूर कोई ही मुख्यमंत्री होगा जो बीडीओ, एसडीओ, थानेदार से लेकर वरीय अधिकारियों और यहां तक कि संवेदक के निजी कर्मचारी के सामने बात-बात पर हाथ जोड़ने और पैर पड़ने की बात करता हो? नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में बढ़ते अपराध, बेलगाम भ्रष्टाचार, पलायन एवं प्रशासनिक अराजकता का मुख्य कारण यह है कि एक कर्मचारी तक (अधिकारी तो छोड़िए) मुख्यमंत्री की नहीं सुनता? क्यों नहीं सुनता और क्यों नहीं आदेशों का पालन करता, यह

अचानक बेटे के विधानसभा क्षेत्र राघोपुर पहुंचे लालू यादव

तेजस्वी यादव के विधानसभा क्षेत्र राघोपुर में लालू प्रसाद यादव पहुंचे। भारी बारिश के कारण लालू प्रसाद यादव अपनी गाड़ी से नीचे नहीं उतरे। अपनी गाड़ी से ही कार्यकर्ताओं को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। लालू प्रसाद यादव बिदुपुर के दूसरे गांव में पहुंचे। खजवाता गांव स्थित इंद्रजीत दुबे के निधन हो जाने पर उनके परिवार वालों से मुलाकात की। लालू प्रसाद यादव की पहुंचने की खबर किसी भी कार्यकर्ता को भी नहीं थी, लेकिन लालू प्रसाद यादव की आने की भनक जैसे ही लोगों को मिली आसपास के लोग लालू प्रसाद यादव को देखने के लिए पहुंचने लगे।

विचारनीय विषय है? हालांकि इसमें कर्मचारी व अधिकारियों का अधिक दोष भी नहीं है। एक कमजोर बेबस मुख्यमंत्री के कारण बिहार में होना वही है जो चंद सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों ने ठाना है क्योंकि अधिकारी भी जानते है कि ये 43 सीट वाली तीसरे नंबर की पार्टी के मुख्यमंत्री हैं।

युवा जेई भर्ती परीक्षा परिणाम के इंतजार में : राय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- ये है भाजपा सरकार की नाकामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि छह वर्ष बाद भी जेई भर्ती का परीक्षा परिणाम जारी नहीं किया जा सका है। यह भाजपा सरकार की नाकामी है।

जारी बयान में उन्होंने कहा कि 2018 में उप्र. अधीनस्थ सेवा आयोग से 1388 पदों के लिए जेई के लिए भर्ती निकाली गई, लेकिन परीक्षा परिणाम जारी नहीं होने से युवा चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं के साथ दुर्व्यहार कर रही है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आरक्षण की हो रही अनदेखी : मनोज यादव

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मनोज यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में सभी भर्ती संस्थाओं में नियुक्तियों में मनमानी की जा रही है। पिछड़े व एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के आरक्षण की अनदेखी की जा रही है। भर्तियों में आरक्षण की निरंतर अवहेलना की जा रही है। सरकारी संस्थानों में संविदा और आउटसोर्सिंग पर नियुक्तियां मानव श्रम, भ्रष्टाचार और आरक्षण की संगठित लूट हैं। उन्होंने इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

अभ्यर्थियों ने पिकप भवन पर दिया धरना

लखनऊ। जेई 2018 भर्ती का अंतिम परिणाम जारी करने के लिए अभ्यर्थियों ने पिकप भवन पर अभ्यर्थियों का धरना प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और जनता दरबार का लगातार चक्कर लगा रहे अभ्यर्थी। प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस पहुंची। प्रोटेस्ट कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने इको गार्डन भेजा।

आरक्षण प्रभावितों को दें नियुक्ति : चंद्रशेखर

69,000 शिक्षक भर्ती का मामला एक बार फिर गरमाता दिख रहा है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के इस मुद्दे को उठाने के बाद नगीना के सांसद चंद्रशेखर ने इस भर्ती के आरक्षण प्रभावितों को नियुक्ति देने की मांग की है। उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि 69,000 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण के नियमों की अनदेखी की वजह से आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का मानक के अनुरूप चयन नहीं हो सका। इससे अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में है। इनकी शिकायत पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी वर्ष 2021 में यूपी सरकार को दी रिपोर्ट में स्पष्ट किया था कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नियमों का पालन नहीं किया गया है। चंद्रशेखर ने कहा है कि विधानसभा चुनाव 2022 से पहले अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल से सीएम ने मुलाकात की थी और समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया था। पर, ऐसा नहीं हुआ। वहीं, जनवरी 2022 में बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया में हुई गलती को मानते हुए 6,800 अभ्यर्थियों की सूची जारी कर नियुक्ति देने की बात कही लेकिन दो साल बाद भी नियुक्ति नहीं मिली। उन्होंने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि अभ्यर्थियों की समस्याओं का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देश देकर प्रभावित अभ्यर्थियों को जल्द से जल्द नियुक्ति दी जाए।

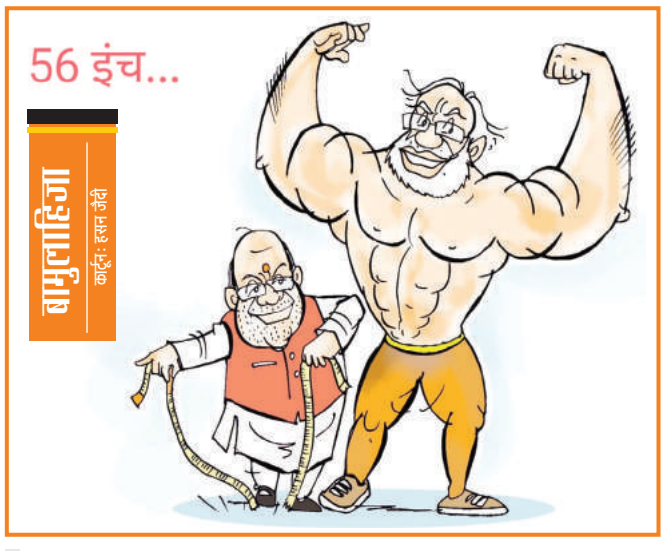

मायावती ने आईएनएलडी के साथ किया गठबंधन

» विधानसभा में साथ लड़ेगी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) के साथ मायावती की पार्टी बीएसपी ने आज (गुरुवार, 11 जुलाई) गठबंधन का एलान किया। आज इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद ने गठबंधन का एलान किया। उत्तराधिकारी पद पर वापसी के बाद पहली बार आकाश आनंद का ये अहम कदम है।

आकाश आनंद ने कहा कि मायावती और अभय चौटाला की विस्तार से बातचीत हुई थी। 90 में से 37 विधानसभा सीटों पर बीएसपी और बाकी पर आईएनएलडी चुनाव लड़ेगी। वहीं आकाश आनंद के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद अभय चौटाला ने कहा कि ये गठबंधन स्वार्थ के लिए नहीं है। बीजेपी ने दस साल में और कांग्रेस ने अपने राज में राज्य को लूटा है। हम गैर बीजेपी, गैर कांग्रेस गठबंधन राज्य में तैयार करेंगे और सरकार बनाएंगे। बीएसपी और इनेलो के गठबंधन से सत्तारूढ़ बीजेपी और विपक्षी कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में टेंशन बढ़ सकती है।

गैर तो गैर हैं अपने भी दे रहे बीजपी को घाव

राव इंद्रजीत, मीणा, कर्नाटक सांसद रमेश ने अपनी पार्टी को घेरा, विपक्ष ने भाजपा को घेरा, अभी सरकार बने एक महीने नहीं हुए बढ़ने लगा असंतोष

» इंडिया गठबंधन के झटके से उबरने को बनाई रणनीति

» खिसके जनाधार को फिर से जोड़ने की कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के हाथों मात खाई बीजेपी को अब अपने भी सता रहे हैं। अभी हाल में राजस्थान के वरीष्ठ नेता किरोड़ीमल ने मंत्री का पद छोड़ा था। हालांकि उन्होंने ने इसे अपने पूर्व में किए गए वादे का अनुपालन बताया था जिसमें उन्होंने बीजेपी को कई सीटें दिलवाने का भरोसा दिया था पर वह ऐसा नहीं कर पाए तो उन्होंने मंत्री पद छोड़ दिया। अब उनके पक्ष में कांग्रेस नेता सचिन पायलट भी खड़े हो गए हैं।

वहीं हरियाणा के कानून व्यवस्था पर टिप्पणी करके केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत ने अपनी ही सरकार को असहज कर दिया है। उधर अभी सहयोगी दलों व विपक्ष के हमलों से फारिग भी नहीं हुई थी भाजपा की कर्नाटक के सांसद ने मोदी सरकार को वंचित विरोधी बताकर अपनी ही पार्टी की नीतियों पर सवाल उठा दिया। जबकि यूपी समेत कई राज्यों में पार्टी दलितों को फिर से अपने पाले में लाने के लिए मेहनत कर रही है।

बीजेपी कार्यकर्ता ही सुना रहे अपना दर्द

अब जब बीजेपी के नेताओं कार्यकर्ताओं की सुनी जा रही है तो वह अपना दर्द बयां कर रहे हैं। उनके द्वारा दलितों और ओबीसी समाज में भाजपा को लेकर नाराजगी की वजहें गिनाई जा रही हैं। सूत्रों की माने तो कई मंत्रीं और नेता बेरोजगारी के अलावा पार्टी में जातीय कार्यकर्ताओं को तवज्जों न मिलना हार का एक बड़ा कारण बता रहे हैं। कहा यह भी जा रहा है कि उत्तर प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष किसी दलित को बनाया जाये, जिससे दलित वोटरों में अच्छा मैसेज जायेगा। कुछ लोगों ने तो यह भी आरोप लगाये कि दलित अधिकारियों को थानेदारों और तहसीलदारों की नौकरियां तो मिलती हैं लेकिन उन्हें पोस्टिंग में दरकिनार रखा जाता है। पार्टी नेताओं ने आउटसोर्सिंग और कॉन्ट्रेक्ट की नौकरी में दलित-ओबीसी समाज के लिए आरक्षण नहीं होने को राज्य में पार्टी की हार की बड़ी वजह बताया है। सरकार और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से नाराज नेताओं ने कहा कि यह चिंतनीय है कि आखिर सरकार के बेहतर काम के बावजूद लोकसभा चुनाव में आश्चर्यजनक तरीके से पहली बार बसपा से कट कर दलित वोट सपा और कांग्रेस की ओर चला गया, ऐसा आखिर क्यों हुआ ? इसका कारण बताते हुए नाराज नेताओं ने दलित नेतृत्व को आगे न बढ़ाने की बात रखी।

मीणा के समर्थन में उतरे सचिन पायलट

राजस्थान सरकार से इस्तीफा दे चुके भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक डॉ. किरोडी लाल मीणा के समर्थन में अब कांग्रेस के बड़े नेता उतर आये हैं। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने किरोडी लाल मीणा की तारीफ करते हुए कहा है कि वह स्पष्टवादी नेता हैं और सही बात कहने से कभी नहीं हिचकते। कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह ने कहा कि किरोडी लाल मीणा साफ बात बोलते हैं भले उससे उन्हें कितना भी नुकसान क्यों ना हो जाये। उन्होंने कहा कि मीणा ने हमेशा पार्टी संगठन से ऊपर जाकर भी सच्चाई बोली है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व को चाहिए कि वह वरिष्ठ नेता किरोडी लाल मीणा का सम्मान करे।वहीं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने डॉ. किरोडी लाल मीणा प्रकरण पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि अभी प्रदेश में भाजपा की सरकार बने हुए छह महीने ही हुए हैं और मंत्री इस्तीफा देने लग गये हैं। मीडिया से बातचीत में सचिन पायलट ने कहा कि भजन लाल शर्मा सरकार में आपसी खिंचाव साफ नजर आ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस सबसे राज्य में विकास कार्य ठप हो गया है। हम आपको यह भी बता दें कि सचिन पायलट के बयान के बाद इस तरह की अटकलें भी शुरू हो गयीं कि किरोडी लाल मीणा पाला बदल सकते हैं। हालांकि उनके करीबी सूत्रों ने ऐसी अटकलों को बेबुनियाद बताया है।

इस बीच, आज से राजस्थान विधानसभा का सत्र शुरू हुआ है और राजस्थान सरकार ने जो बजट पेश किया है उसकी किरोडी लाल मीणा ने भरपूर तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि युवाओं का भविष्य संवार रही है भजनलाल सरकार, इस बजट में युवाओं के लिए है रोजगार का उपहार। किरोडी लाल मीणा ने इसके साथ ही बजट के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए राजस्थान सरकार की तारीफ भी की है। बताया जा रहा है कि विधानसभा सत्र के दौरान भी विधायकों के बीच किरोडी लाल मीणा चर्चा का विषय बने हुए थे।

हरियाणा सरकार पर बरसे केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत

अपनी ही सरकार पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने जमकर हमला बोला। उन्होंने धर्मशाला में कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। वह इस मामले में गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर कानून व्यवस्था को ठीक करवाने का काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो विधानसभा चुनाव में नुकसान होना लाजमी है। राव इंद्रजीत हांसी में अनाज मंडी धर्मशाला में मंडी एसोसिएशन की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मंच पर कैबिनेट मंत्री बनवारी लाल व सांसद धर्मबीर सिंह मौजूद रहे। प्रदेश में कानून व्यवस्था फेल हो चुकी है। आए दिन व्यापारियों से खुलेआम फिरौती मांगी जा रही है और गोलियां चलाई जा रही हैं। सरकार उसे रोकने में नाकाम साबित हो रही है। तायल ने कहा कि जिस दौरान हरियाणा के सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा थे और आप केंद्रीय मंत्री थे उस समय भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गुंडागर्दी का खात्मा करने का काम किया था।

कर्नाटक के भाजपा सांसद ने मोदी सरकार को घेरा

कर्नाटक से भाजपा सांसद और वंचित नेता रमेश जिगाजिनागी ने पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर केंद्रीय मंत्री ऊंची जातियों से ताल्लुक रखते हैं। वहीं, वंचितों को दरकिनार कर दिया गया है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में मंत्री नहीं बनाए जाने से वो काफी दुखी हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में विजयपुरा सीट से चुनाव जीता है। रमेश जिगाजिनागी ने कहा, कई लोगों ने मुझे बीजेपी में ना जाने की सलाह दी थी, क्योंकि यह (पार्टी) दलित विरोधी है। रमेश जिगाजिनागी से सवाल पूछा कि क्या वो मुझे केंद्रीय मंत्री पद की मांग करने की कोई जरूरत नहीं है। लोगों का समर्थन मेरे लिए जरूरी है, लेकिन जब मैं वापस आया (चुनाव के बाद) तो लोगों ने मुझे बहुत डांट लगाई। कई दलितों ने मुझसे इस बात पर बहस की कि बीजेपी दलित विरोधी है और मुझे पार्टी में शामिल होने से पहले यह बात जान लेनी चाहिए थी। रमेश जिगाजिनागी ने पहली बार साल 1998 में लोकसभा चुनाव जीता था। तब से लेकर अब तक वो लोकसभा चुनाव में अपराजय रहे हैं। बता दें कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कर्नाटक के 28 सीटों में भाजपा ने 17 सीटों पर बाजी मारी थी। उन्होंने कहा कि मेरे जैसा वंचित नेता लगातार सात चुनाव लगातार जीतने वाला दक्षिण भारत का पहले व्यक्ति है। सभी उच्च जाति के लोग कैबिनेट पदों पर हैं। भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या दलितों ने कभी बीजेपी का समर्थन नहीं किया? उन्होंने आगे कहा कि इससे मुझे बहुत दुख हुआ।

दलितों में नए सिरे से पैठ बढ़ाने की तैयारी शुरू

बीजेपी आलाकमान ने एहतियात के तौर पर जो कदम उठाये हैं उसमें लोकसभा चुनाव के परिणाम से सीख लेते हुए भाजपा ने दलितों में नए सिरे से पैठ बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सरकार व संगठन में दलितों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश से जो झटका मिला है, उससे बीजेपी आलाकमान अभी तक उबर नहीं पाया है।

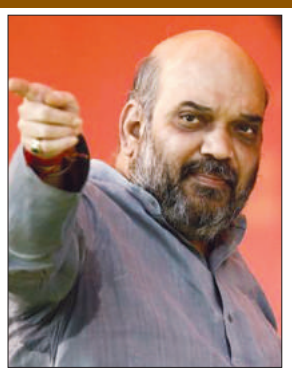

हार की कई स्तरों पर लगातार समीक्षा हो रही है। बीजेपी प्रत्याशियों की हार और वोट प्रतिशत में गिरावट के लिये फिलहाल कई छोटे-छोटे के अलावा दो-तीन बड़े कारण नजर आ रहे हैं। इसमें प्रत्याशियों के प्रति जनता की नाराजगी के अलावा ओबीसी और दलित वोट बैंक के खिसकने को सबसे बड़ी वजह समझा जा रहा है। इसी के चलते पार्टी के सजातीय मंत्रियों और पदाधिकारियों की लगाम कसने के साथ अब इस वोट बैंक को वापस भाजपा की तरफ लाने की जिम्मेदारी भी सजातीय नेताओं को सौंपी गई है। भाजपा आलाकमान दलित मंत्रियों के साथ ही अनुसूचित मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहा है, लेकिन कुछ पहलू ऐसे भी हैं जिसकी ओर अभी तक ना तो बीजेपी आलकमान और ना ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्यान दिया है। इसमें सबसे बड़ा कारण पार्टी और सरकार के स्तर पर कार्यकर्ताओं की अनदेखी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूरी सरकार को अपने पास केन्द्रित कर लेना है। स्थिति यह हो गई थी कि यूपी में योगी ही सब कुछ हो गये थे, यहां तक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक यूपी प्लस योगी बहुत हैं उपयोगी जैसे जुमले बोलने लगे थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भरण-पोषण भत्ता दान नहीं महिला का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के लिए एक अहम फैसला दिया है। कोर्ट की पीठ ने जोर देकर कहा कि भरण-पोषण भत्ता दान नहीं, बल्कि हर शादीशुदा महिला का अधिकार है और सभी शादीशुदा महिलाएं इसकी हकदार हैं, फिर चाहे वे किसी भी धर्म की हों। अदालत ने कहा कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला पति से गुजारे भत्ता मांग सकती है। इसके लिए महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 को सीआरपीसी की धारा-125 के धर्मनिरपेक्ष और धर्म तटस्थ प्रावधान पर तरजीह नहीं दी जाएगी। सीआरपीसी की धारा 125 में पत्नी, संतान और माता-पिता के भरण-पोषण को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई है। इस धारा के अनुसार पति, पिता या बच्चों पर आश्रित पत्नी, मां-बाप या बच्चे गुजारे-भत्ते का दावा केवल तभी कर सकते हैं, जब उनके पास आजीविका का कोई और साधन उपलब्ध नहीं हो। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। वो इससे संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा, हम आपराधिक अपील को इस निष्कर्ष के साथ खारिज कर रहे हैं कि धारा 125 सभी महिलाओं पर लागू होगी, न कि केवल विवाहित महिलाओं पर। दरअसल, अब्दुल समद नाम के एक मुस्लिम शख्स ने पत्नी को गुजारा भत्ता देने के तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में शख्स ने दलील दी थी कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है। महिला को मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही चलना होगा। ऐसे में कोर्ट के सामने सवाल था कि इस केस में मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 को प्राथमिकता मिलनी चाहिए या सीआरपीसी की धारा 125 को। कादरी ने दलील दी थी कि सीआरपीसी की धारा-125 के मुकाबले 1986 का कानून मुस्लिम महिलाओं के लिए ज्यादा फायदेमंद है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर 2023 को समद की पत्नी को अंतरिम गुजारे भत्ते के भुगतान के संबंध में परिवार अदालत के फैसले पर रोक नहीं लगाई थी। समद ने उच्च न्यायालय में दलील दी थी कि दंपति ने 2017 में पर्सनल लॉ के अनुसार तलाक ले लिया था और उसके पास तलाक प्रमाणपत्र भी है, लेकिन परिवार अदालत ने इस पर विचार नहीं किया और उसे पत्नी को अंतरिम गुजारा भत्ता देने का आदेश जारी कर दिया। उच्च न्यायालय से कोई राहत न मिलने पर समद ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था।

अदालत ने कहा कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला पति से गुजारे भत्ता मांग सकती है। इसके लिए महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 को सीआरपीसी की धारा-125 के धर्मनिरपेक्ष और धर्म तटस्थ प्रावधान पर तरजीह नहीं दी जाएगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नेतृत्व की शालीनता से ही समृद्ध लोकतंत्र

विश्वनाथ सचदेव

हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना जनतांत्रिक देश है। हमें किसी से जनतांत्रिक परंपराएं सीखने की आवश्यकता नहीं है। जनतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं हमारे देश में। लेकिन इसके बावजूद कई बार ऐसा लगता है कि हमारे नेता या तो जनतांत्रिक परंपराओं को निभा नहीं रहे या फिर उन परंपराओं को समझ नहीं रहे। अब इन्हीं चुनाव की बात करें- मतदाता ने अपना निर्णय स्पष्ट दिया है। एनडीए गठबंधन सरकार बनाये और इंडिया गठबंधन विपक्ष का दायित्व निभाये। इसके बाद कोई भ्रम नहीं रहना चाहिए, लेकिन अठारहवीं लोकसभा के पहले ही अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में जिस तरह का व्यवहार हमारे सांसदों का रहा है, वह सवालिया निशान तो लगाता ही है कि जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति हम कितने सजग हैं?

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद-प्रस्ताव को लेकर जिस तरह की बहस दोनों सदनों में देखने-सुनने को मिली है, वह इस संदर्भ में आश्वस्त करने वाली तो नहीं ही है। दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों ने विपक्ष को खरी-खोटी सुनायी। दोनों सदनों में नेता-विपक्ष के वक्तव्यों में से कुछ शब्द हटा दिये गये अर्थात रिकॉर्ड में वे शब्द नहीं रहेंगे। असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख-सुन चुकी होती है जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं। कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है। सदस्यों को निष्कासित करके ऐसे व्यवहार को उजागर तो किया जाता है, पर यह प्रक्रिया इस हद तक अतार्किक हो जाती है कि पिछली संसद में से सौ से अधिक सांसदों का निष्कासन किया गया! लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ने यह निर्णय अपने विवेक से किया होगा, इस पर सवाल तो उठता ही है कि इस तरह की कार्रवाई को कितना जनतांत्रिक कहा जा सकता है?

सवाल यह भी उठता है कि आखिर सांसदों या विधायकों का सदन में, और सदन के बाहर भी, व्यवहार कैसा होना चाहिए? इस संदर्भ में मुझे ब्रिटेन के नए और पिछले प्रधानमंत्री के भाषण याद आ रहे हैं। हाल के चुनाव में ब्रिटेन के मतदाता ने सरकार पलट दी है। कंजरवेटिव पार्टी का शासन मतदाता ने नकार दिया है और लेबर पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया गया है। भारतीय मूल के ब्रिटिश

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री स्टार्मर्स ने इस अवसर पर जो भाषण दिए हैं उनमें ऐसा बहुत कुछ है जो बताता है कि राजनेताओं को एक-दूसरे के प्रति किस तरह का व्यवहार करना चाहिए। अपनी हार को स्वीकार करते हुए ऋषि सुनक ने स्पष्ट शब्दों में कहा है, वे इस हार का दायित्व लेते हैं और नयी सरकार को ब्रिटेन के हित में काम करने में हर उचित सहयोग देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि 'नये प्रधानमंत्री की सफलता हम सब की सफलता होगी। वे जन-हित के लिए काम करने वाले ऐसे उत्साहित व्यक्ति हैं, जिनका मैं सम्मान करता हूं।' ऐसा ही सम्मान प्रधानमंत्री चुने जाने वाले स्टार्मर्स ने भी ऋषि सुनक के प्रति व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं निवर्तमान प्रधानमंत्री को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देना चाहता हूं। वे हमारे देश के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री थे। इस नाते उन्हें कुछ कर पाने के लिए जो अतिरिक्त प्रयास और मेहनत करनी पड़ी उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। हम उसकी प्रशंसा करते हैं। हम उनकी निष्ठा और मेहनत को भी स्वीकारते-समझते हैं।'

ये शब्द ब्रिटेन के उन दो राजनेताओं के हैं जो कल तक चुनावी-मैदान में एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े थे। ऐसा नहीं है कि वहां एक-दूसरे पर राजनेता आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाते। आरोप सब जगह लगते हैं। कुछ कटुता भी होती होगी। लेकिन नेतृत्व से जिस तरह की शालीनता की अपेक्षा होती है, कम से कम इस समय तो उनके व्यवहार में वह स्पष्ट दिख रही है।

ऐसा नहीं है कि हमारे यहां विभिन्न दलों के राजनेताओं के बीच पारस्परिक संबंध नहीं होते। ढेरों उदाहरण हैं इस आशय के जिनसे यह पता चलता है कि नीतिगत विरोध का अर्थ दुश्मनी नहीं होता। लेकिन ऐसे भी उदाहरण कम नहीं हैं जो बताते हैं कि या तो हमारे नेताओं में पारस्परिक संबंधों वाली परिपक्वता नहीं है या फिर यह कि नेताओं को लगता है कि संबंधों की मधुरता का कोई लक्षण दिख गया तो उनके राजनीतिक हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ जायेगा। चुनावी-सभाओं में तो नेताओं के विरोधी तेवर अक्सर दिख जाते हैं, और एक सीमा तक उनकी 'आवश्यकता' को समझा भी जा सकता है, लेकिन संसद और राज्यों की विधानसभाओं में जब राजनीतिक विरोध शालीनता की सीमाएं लांघता दिखता है तो हैरानी भी होती है और दुख भी होता है। यह समझना आसान नहीं है कि देश के 15वें प्रधानमंत्री पहले प्रधानमंत्री को लेकर असहज क्यों दिखते हैं? यह समझना भी मुश्किल है कि संसद के सदनों में पीठासीन अधिकारी डंडा लेकर पढ़ाई करवाने वाले अध्यापक की तरह व्यवहार करना जरूरी क्यों समझते हैं।

महिलाओं का देश की उन्नति में योगदान फिर भी झेल रही अपमान

रंजना ध्रुवप्रकाश

भारत में महिलाओं का पुरुषों के मुकाबले देश की उन्नति में योगदान कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है, इसे सटीक प्रतिशत में मापना मुश्किल है क्योंकि यह विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न हो सकता है। महिला हर कदम पर आज पुरुषों के बराबर कंधा से मिला कर चल रही है लेकिन कहीं न कहीं उसे अत्याचार और अपमान का सामना करना पड़ता है जहां महिला साक्षरता दर में सुधार हो रहा है, और अब कई महिलाएँ उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। महिलाओं की शिक्षा में वृद्धि का सीधा असर देश की आर्थिक और सामाजिक उन्नति पर पड़ता है। तो वहीं स्वास्थ्य क्षेत्र में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है, नर्सिंग और चिकित्सा के क्षेत्र में महिलाओं की बड़ी संख्या है। इसके अलावा, महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार से भी समाज की समग्र प्रगति होती है।भारतीय कृषि में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। एफएओ के अनुसार, भारत में कृषि कार्यबल का लगभग 32प्रतिशत महिलाएँ हैं।

महिलाओं का औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में भी योगदान बढ़ रहा है। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्रों में महिलाओं का हिस्सा लगभग 34प्रतिशतहै। महिलाएँ राजनीति और प्रशासन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33प्रतिशत आरक्षण है, जिससे ग्रामीण स्तर पर महिलाओं का प्रभावी योगदान हो रहा है। महिलाओं का आर्थिक योगदान भी महत्वपूर्ण है। भारत में महिला उद्यमिता तेजी से बढ़ रही है, जिससे आर्थिक उन्नति में उनका हिस्सा बढ़ रहा है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, भारत में लगभग 14प्रतिशत व्यवसाय महिलाओं द्वारा संचालित हैं।

हालांकि महिलाओं का देश की उन्नति में योगदान महत्वपूर्ण है, लेकिन महिलाओं पर हो रहे अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है भारत सहित विश्व भर में महिलाओं पर अत्याचार एक गंभीर सामाजिक समस्या बना हुआ है। यह केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक अत्याचार भी शामिल हैं। महिलाओं पर अत्याचार के रूप अनेक हैं महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों में सबसे सामान्य घरेलू हिंसा है कई महिलाएँ अपने ही घर में असुरक्षित महसूस करती हैं। यह हिंसा शारीरिक और मानसिक दोनों रूपों में होती है, जिससे महिलाएं अपनी आत्म-सम्मान और स्वतंत्रता खो बैठती हैं। वही दहेज के कारण हो रही हत्याएँ भारतीय समाज की एक बड़ी विडंबना है दहेज प्रथा के कारण महिलाओं को शारीरिक और मानसिक यातनाएँ सहनी पड़ती हैं। दहेज न मिलने पर नवविवाहित महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है और कई बार उनकी हत्या तक कर दी जाती है,महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न भी एक गंभीर मुद्दा है यह कार्यस्थल, घर, या सार्वजनिक स्थानों पर होता है बलात्कार, छेड़छाड़, और अवांछित यौन संबंध जैसे कृत्य महिलाओं के आत्मसम्मान और सुरक्षा को प्रभावित करते हैं।

मानव तस्करी एक और गंभीर अपराध है जिसमें महिलाओं और लड़कियों को वेश्यावृत्ति, जबरन मजदूरी, और घरेलू कामकाज के लिए बेचा जाता है। यह अपराध महिलाओं को उनके अधिकारों और स्वतंत्रता से वंचित कर देता है। महिलाओं को कार्यस्थल पर भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्हें समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में कम वेतन मिलता है, और उनके करियर में तरक्की के अवसर भी सीमित होते हैं। यौन उत्पीड़न और मानसिक उत्पीड़न भी कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए गंभीर समस्याएँ हैं।

हम सब अपने समाज में महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए यह कदम उठा सकते हैं। महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़े कानून बनाए जाएं और उन्हें सख्ती से लागू किया जाए। महिलाओं और पुरुषों दोनों को शिक्षा के माध्यम से जागरूक किया जाए ताकि वे महिलाओं के अधिकारों और समानता को समझ सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए उन्हें रोजगार के अवसर और कौशल विकास के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए। समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता की भावना को बढ़ावा देने के लिए मानसिकता में बदलाव लाना आवश्यक है। महिलाओं के लिए सहायता केंद्र स्थापित किए जाएं जहाँ वे अपनी समस्याओं का समाधान पा सकें और कानूनी और मानसिक समर्थन प्राप्त कर सकें।

महिलाओं के देश के प्रति योगदान को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के अवसरों में सुधार करना आवश्यक है। इससे महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक योगदान बढ़ेगा और देश की समग्र उन्नति में उनकी भागीदारी अधिक प्रभावी होगी। एवम् महिलाओं पर हो रहे अत्याचार एक गंभीर समस्या है जो समाज के हर वर्ग को प्रभावित करती है। इसे समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। केवल कानूनी सुधार और सशक्तिकरण के प्रयासों से ही इस समस्या का समाधान संभव है। महिलाओं का सम्मान और समानता सुनिश्चित करना ही एक सभ्य समाज की पहचान है और हमे यह करना चाहिए .....।

प्रोटीन से भरपूर

प्रोटीन एक ऐसा पोषक तत्व है जो शरीर को सही बनाए रखने, वजन कम करने, मसल्स गेन करने के साथ शरीर की कई तरह से मदद करता है। जब भी प्रोटीन का नाम आता है तो वैसे तो नॉनवेज और वेज फूड प्रोडक्ट में कई ऐसी चीजें हैं जो प्रोटीन से भरपूर हैं लेकिन उनमें प्रोटीन के अलावा फैट और कार्बोहाइड्रेट भी काफी अधिक मात्रा में होता है जिस कारण अधिक कैलोरी शरीर में जाती है। खजूर में प्रोटीन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है, जो हमारी मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने में मदद कर सकता है। कई बार जिम लवर भी नेचुरल प्रोटीन और मिठास हासिल करने के लिए खजूर को अपने डाइट में शामिल करते हैं। शहद और खजूर में कैलोरी अधिक होती है, वहीं खजूर में प्रोटीन पाया जाता है, जिससे मसल्स को गेन करने में मदद मिलती है। इसलिए अगर आपकी मसल्स वीक हैं, तो आप इनका सेवन कर सकते हैं।

खजूर

खाने से हड्डियां होती हैं मजबूत

खजूर को उसके हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। इसे डाइट में शामिल करने से व्यक्ति कई रोगों से दूर रहने के साथ ऊर्जावान भी महसूस करता है। खजूर में आयरन, कैल्शियम, मिनरल, फ्रॉसफोरस, अमिनो एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो कब्ज और एनीमिया जैसी समस्याओं में भी राहत देने का काम करते हैं। घुटने का दर्द में रोजाना खजूर का सेवन करने से कुछ हद तक फायदा मिल सकता है। खजूर में काफी मात्रा में सेलेनियम, मैंगनीज, कॉपर और मैग्नीशियम मौजूद होते हैं। ये सभी पोषक तत्व हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों को रोकने के लिए जरूरी माने जाते हैं।

इम्यूनिटी बूस्ट करे

शहद और खजूर में कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसमें आयरन, जिंक समेत कई विटामिन्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बूस्ट कर सकते हैं। रोजाना शहद में भीगे खजूर खाने से आपकी इम्यूनिटी तेज होगी। साथ ही सर्दी, जुकाम और खांसी में भी आराम मिलेगा। मौसम बदलने पर आपको शहद में भीगे खजूर का सेवन जरूर करना चाहिए।

स्किन के लिए लाभकारी

शहद में भीगे हुए खजूर खाने से आपकी स्किन को भी फायदा मिल सकता है। शहद में मॉइश्चराइजिंग गुण पाए जाते हैं, जिससे त्वचा अंदर से मुलायम और खूबसूरत बनती है। साथ ही शहद और खजूर में मौजूद विटामिन्स भी स्किन में निखार लाने का काम करते हैं। स्किन की रंगत में भी सुधार होगा। खजूर में विटामिन ए, विटामिन बी, कार्बोहाइटड्रेट, प्रोटीन, और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें मौजूद मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन व अन्य मिनिरल्स भी होते है। ये सभी त्वचा को ग्लोइंग बनाने में सहायक होते हैं। खजूर खाने से चेहरे से झुर्रियां कम होती है।

शरीर की सूजन कम करे

शहद में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। अगर आप शहद में भीगे खजूर खाएंगे, तो आपको शरीर की सूजन को कम करने में काफी मदद मिल सकती है। आप भी शहद में भीगे हुए खजूर का सेवन कर सकते हैं। इससे आपके शरीर में पर्याप्त विटामिन्स और मिनरल्स मिलेंगे। आपको एनर्जी मिलेगी और स्वस्थ भी महसूस करेंगे।

पाचन को दुरुस्त करे

खजूर में फाइबर की मात्रा काफी अधिक होती है। ऐसे में अगर आपका पाचन तंत्र कमजोर है, तो आप खूजर को शहद में भिगोकर खा सकते हैं। रोजाना शहद में भीगे खजूर खाने से आपका पाचन तंत्र दुरुस्त होगा। साथ ही पाचन से जुड़ी समस्याओं (गैस, अपच और कब्ज) से भी छुटकारा मिलेगा। कब्ज की समस्या से निजात दिलाने के साथ पेट की ऐंठन,मरोड़,लूज मोशन को ठीक करने में मदद करता है। अपने पाचन तंत्र में सुधार करने के लिए आप शहद में भीगे खजूर का सेवन कर सकते हैं। सुबह के समय तीन से चार खजूर भिगोकर खाने से आपको बहुत फायदा मिलता है।

एनीमिया की समस्या करे दूर

खजूर का सेवन करने से हीमोग्लोबिन का लेवल आसानी से बढ़ाया जा सकता है। जिन लोगों के शरीर में आयरन की कमी होती है, उन्हें खजूर का नियमित सेवन करने की सलाह दी जाती है।

हंसना मना है

एक लड़की एक लड़के के साथ बैठी थी, दूसरे दिन दूसरे लड़के के साथ बैठी थी, तीसरे दिन तीसरे लड़के के साथ बैठी थी, इस कहानी से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है? लड़के बदल जाते हैं पर लड़कियां नहीं।

महिला- डॉक्टर साहब, मेरे पति नींद में बातें करने लगे हैं! क्या करूं? डॉक्टर- उन्हें दिन में बोलने का मौका दीजिए!

टीटी ने चिंटू को प्लेटफॉर्म पर पकड़ लिया, टीटी- टिकट दिखा, चिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं, टीटी- क्या सबूत है? चिंटू- अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है।

पत्नियां बहुत समझदार होती हैं.... दूसरो के सामने अपने पति को कभी सीधे बेवकूफ नहीं बोलती हैं...बल्कि घुमाकर कहती हैं...अरे इनको तो कुछ पता ही नहीं है.... बहुत सीधे-सादे हैं दुनियादारी की समझ ही नहीं है।

दो बीवीयां मेले में खो गईं, एक गांव से और एक शहर से.. बीवी ढूंढते हुए दोनों पुरुष आपस में मिले..गांव वाले ने पूछा- तुम्हारी वाली की पहचान? शहरी बोला- 5'7?, गोरी, भूरी आंखें, पतली, पिंक टीशर्ट और मिनी स्कर्ट पहनी है आलिया भट्ट जैसी और तुम्हारी? गांव वाला-बोला, हमारी छोड़ो चलो तुम्हारी ढूंढते है..!

कहानी | अकबर का तोता

एक बार अकबर बाजार में भ्रमण पर निकले थे। वहां उन्होंने एक तोता देखा, जो बहुत ही प्यारा था। उसके मालिक ने उसे बहुत अच्छी बातें सिखाई थीं। उन्होंने उस तोते को खरीदने का फैसला कर लिया। तोते को खरीदने के बदले अकबर ने मालिक को अच्छी कीमत दी। वो उस तोते को राजमहल लेकर आए। यहां पर तोते को लाने के बाद अकबर ने उसे बहुत अच्छे से रखने का फैसला किया। अब अकबर जब भी उससे कोई बात पूछते, तो वह उस बात का तुरंत जवाब दे देता था। अकबर बहुत खुश हो जाते थे। वह तोता दिनों-दिन उनके लिए जान से भी प्यारा हो गया था। उन्होंने महल में उसके रहने के लिए शाही व्यवस्था करने का आदेश दिया। उन्होंने अपने सेवकों को कहा, 'इस तोते का खास ख्याल रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा, 'यह तोता किसी भी हालत में मरना तो बिल्कुल भी नहीं चाहिए। अगर किसी ने तोते के मरने की खबर उनको दी, तो वह उसको फांसी दे देंगे।' एक दिन अचानक अकबर का प्यारा तोता मर गया। अब महल के सेवकों में हड़कंप मच गया कि आखिर अकबर को यह बात कौन बताएगा, क्योंकि अकबर ने कहा था कि जो भी तोते की मौत की खबर उन्हें देगा, वह उसकी जान ले लेंगे। अब सेवक परेशान थे। काफी सोच-विचार के बाद उन्होंने फैसला किया कि यह बात बीरबल को बताई जाए। सभी ने बीरबल को सारी बात बताई। यह भी बताया कि बादशाह अकबर मौत की खबर देने वाले को मौत की सजा देंगे। यह सुनकर बीरबल, बादशाह अकबर को यह खबर सुनाने को राजी हो गए। बीरबल ने कहा, 'महाराज एक दुखद खबर है।' अकबर ने पूछा- 'बताओ क्या हुआ?' बीरबल ने कहा, 'महाराज आपका प्यारा तोता, न तो कुछ खा रहा है, न तो कुछ पी रहा है, न तो कुछ बोल रहा है, न आंखें खोल रहा है और न ही कोई हरकत कर रहा है और न ही।' अकबर गुस्से में आकर बोले, 'न ही क्या? सीधा-सीधा क्यों नहीं बोलते कि वो मर गया है।' बीरबल ने कहा, 'हां महाराज, लेकिन ये बात मैंने नहीं आपने कही है। इसलिए, मेरी जान बक्श दीजिए।' अकबर भी कुछ न बोल सके। इस तरह बीरबल ने बड़ी सूझबूझ से अपनी और अपने सेवकों की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृषभ मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कर्क बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी।

तुला सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा।

धनु चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। विवेक से कार्य करें।

मीन पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

रणबीर नेगेटिव माहौल से दूर भागते हैं: इंदिरा

इंदिरा ने रणबीर के बारे में आगे बात करते हुए कहा, वो सेट पर सबको बहुत ईजी फील करवाते हैं। उनमें जीरो एटिट्यूड है। वो फेक नहीं हैं। बल्कि, वो नेगेटिव लोगों और नेगेटिव माहौल से दूर भागते हैं। वो खुद को स्टार की तरह पेश नहीं करते। इंडियन सिनेमा फैन्स जिन आने वाले प्रोजेक्ट्स की तरफ टकटकी लगाए बैठे हैं, रणबीर कपूर की रामायण उनमें से एक है। ग्रैंड बजट में बन रही इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ साउथ की स्टार साई पल्लवी और सनी देओल जैसे बड़े नाम हैं। जहां रणबीर रामायण में भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी, सीता के रोल में नजर आने वाली हैं। फिल्म में प्रभु श्रीराम की मां, कौशल्या का महत्वपूर्ण किरदार, एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णा निभा रही हैं। इंदिरा ने अब अपने बेटे का रोल कर रहे, सुपरस्टार रणबीर कपूर के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि रणबीर के साथ काम करके उन्हें कैसा लगा। इंदिरा ने बताया, मैं रणबीर को बहुत सम्मान की नजर से देखती हूं। मुझे अभी तक इस इंडस्ट्री में उनके जैसा कोई नहीं मिला। उनकी प्रेजेंस बहुत चुम्बकीय है। वो केयर, प्यार और विनम्रता से भरे हुए हैं। अगर आप कभी एक कोने में बैठे हुए हैं, तो वो आप तक आएंगे, आपको ग्रीट करेंगे और आपसे दिन भर का हाल चाल लेंगे। आजकल कौन करता है ऐसा? वो एक बेहतरीन व्यक्ति हैं। इंदिरा ने रणबीर के बारे में आगे बात करते हुए कहा, वो सेट पर सबको बहुत ईजी फील करवाते हैं। उनमें जीरो एटिट्यूड है। वो फेक नहीं हैं। बल्कि, वो नेगेटिव लोगों और नेगेटिव माहौल से दूर भागते हैं। वो खुद को स्टार की तरह पेश नहीं करते। कुछ दिन पहले रामायण के सेट से दशरथ और कैकेयी का रोल कर रहे, अरुण गोविल और लारा दत्ता की फोटो लीक हुई थी। कृष्णा ने बताया कि वो फोटो सेट पर मौजूद किसी व्यक्ति ने नहीं लीक किया था। उन्होंने कहा, लोग बाहर लगी बाउंड्री पर चढ़ जाते हैं, और कोई बहुत क्लोज रेंज से फोटो क्लिक कर लेता है। लोगों को मैनेज करना बहुत मुश्किल है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि रणबीर कपूर, साई पल्लवी और सनी देओल के अलावा फिल्म में रवि दुबे भी काम कर रहे हैं।

दीपिका ने बताए प्रकृति के फायदे

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण जिंदगी के सबसे खूबसूरत पड़ाव पर हैं। वे गर्भवती हैं। इन दिनों वे अपना खूब ख्याल रख रही हैं और अपने साथ क्वालिटी समय बिता रही हैं। दीपिका पादुकोण इस दौरान अपने शौक पूरे करने के साथ-साथ प्रकृति के करीब भी सुकून के पल बिता रही हैं। आज उन्होंने एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ उन्होंने लोगों को प्रकृति के बीच रहने के लिए प्रोत्साहित किया है। साथ ही धूम्रपान करने वालों के लिए भी एक नसीहत दी है। तस्वीर में बादल, फूल और हरियाली का खूबसूरत नजारा कैद है। इसके साथ दीपिका ने लंबा नोट लिखा है। दीपिका ने लिखा है, यह सेल्फ केयर का महीना है! लेकिन, अगर आप हर दिन सेल्फ केयर की छोटी-छोटी कोशिशें करते हैं तो सिर्फ सेल्फ केयर के नाम पर एक महीना ही क्यों मनाएं? दीपिका ने आगे लिखा है, मुझे पता है कि आप में से बहुत से लोग अक्सर मेरी फीड देखते हैं और कहते हैं हम फिर से शुरू करते हैं! आकाश की एक और तस्वीर... या फूल... या समुद्र! लेकिन, सच्चाई यह है कि मुझे बाहर और प्रकृति में समय बिताना वास्तव में बहुत सुकूनदेह लगता है और इससे भी ज्यादा मेरे लिए तो ये किसी उपचार की तरह है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, हालांकि, हममें से ज्यादातर लोगों के लिए, उन जगहों को ढूंढना सुविधाजनक और सुलभ नहीं होगा या शायद मौजूद ही न हो! और इसीलिए, जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करती हूं। यह वह जगह है, जहां मैं सिर्फ जिंदा नहीं रहती, बल्कि फलती-फूलती हूं! जब भी ऐसा संभव नहीं होता, तो मैं वही करती हूं, जो मुझे लगता है कि सबसे अच्छा और सही है। मैं कुछ पलों के लिए दूर चली जाती हूं। दीपिका ने आगे कहा, शॉट्स के बीच, मीटिंग्स के बीच मैं ऐसी जगह पर जाती हूं, जो उस जगह से बिल्कुल अलग हो जहां मैं अपना ज्यादार वक्त बिताती हूं। यह कुछ ऐसा है, जो मेरे पिता ने मुझे सिखाया है। दूर जाने से मुझे थमने और सांस लेने का मौका मिलता है। दीपिका ने धूम्रपान करने वालों के लिए चेतावन जारी करते हुए लिखा, जो लोग धूम्रपान करते हैं, उनके लिए ये ब्रेक नहीं गिना जाएगा।

धूम्रपान करने वालों के लिए जारी की चेतावनी

मिर्जापुर 3 के ठंडे भौकाल पर शेरनवाज बोलीं-

हर बार हिंसा नहीं दिखाई जा सकती

बॉलीवुड | मसाला

मिर्जापुर 3 को आए अभी कुछ ही दिन हुए हैं मगर पिछले दो सीजन्स के मुकाबले इस बार शो को जनता से ठंडा रिस्पॉन्स मिल रहा है। क्रिटिक्स से लेकर जनता तक, मिर्जापुर के नए सीजन की पेस स्लो होने की शिकायत करते दिखे। अब मिर्जापुर में शबनम लाला का किरदार निभाने वालीं एक्ट्रेस शेरनवाज जिजिना ने तीसरे सीजन को मिल रहे रिस्पॉन्स पर बात की है। शेरनवाज ने कहा कि इस बार मेकर्स ने कुछ अलग करने की कोशिश की थी। उन्होंने ये भी बताया कि फैन्स को चौथा सीजन भी जल्द ही मिलने वाला है और इसके लिए मेकर्स ने कुछ नए प्लान बनाए हैं। शेरनवाज ने कहा, पिछले सीजन्स के मुकाबले ये सीजन अलग है। ये हाउस ऑफ कार्ड्स (इंग्लिश वेब सीरीज) वाले जोन में ज्यादा है। इस बार शो में एक मजबूत पॉलिटिकल एंगल है जो जरूरी था क्योंकि हर बार भयानक हिंसा नहीं दिखाई जा सकती। इस सीजन को बड़े स्मार्ट तरीके से बनाया गया है। लेकिन ठंडा नहीं पड़ा है, आपको थोड़ा दिमाग चलाना पड़ता है। शेरनवाज ने सीजन 4 को लेकर भी बड़ी डिटेल्स शेयर कीं। उन्होंने कहा, ये बहुत जल्दी आने वाला है। अब सभी को पता है कि सीजन 4 आएगा। राइटिंग चालू है। इसपर काम किया जा रहा है। मुझे यकीन है कि वो (राइटर) फिर से कुछ ऐसा लेकर आएंगे जो जनता को शॉक कर देगा। मिर्जापुर 3 एक ऐसे मोड़ पर खत्म हुआ है जहां से ऑडियंस की जिज्ञासा आगे की कहानी देखने के लिए जागने लगती है। शेरनवाज ने कहा कि राइटर्स एक ऐसा वर्ल्ड क्रिएट करने में बिजी हैं, जो इस मोड़ के साथ न्याय कर सके। उन्होंने बताया, हमें अन्दर झांकने की जरूरत है और ऐसी चीजें लाने की जरूरत है जो जनता को शॉक कर दें। मुझे नहीं पता कि ये लोग सीजन दर सीजन ऐसा कैसे कर लेते हैं। शेरनवाज ने बताया कि शो को उस तरह डिजाइन किया जाता है जैसा ऑडियंस फीडबैक देती है। पहले दो सीजन में जनता से ये फीडबैक मिला कि वायलेंस बहुत ज्यादा है। उनके खुद के परिवार को भी उनके साथ बैठकर इतनी वायलेंस देखने में दिक्कत होती थी।

अजब-गजब | 2 बच्चों के साथ वैन में रहती है महिला, किचन-बाथरूम जैसी हर सुविधा

अंदर से देखकर लगेगा महल!

जैसे-जैसे घरों की कीमत बढ़ती जा रही है, लोग बस-वैन को अपना घर बनाने लगे हैं। विदेशों में वैन में रहने का कल्चर काफी पुराना है जो अब धीरे-धीरे भारत में भी पैर पसार रहा है। हालांकि, अभी भी भारत में बहुत से लोगों को गाड़ियों में रहने का आइडिया अजीब लगता है। अगर आप वैन में रहने का मन बना रहे हैं, पर नहीं पता कि उसमें कैसे रहा जाए, तो आपको इस विदेशी महिला की लाइफस्टाइल को देखना चाहिए जो 2 बच्चों की मां है और 3 सालों से एक RV में रह रही है। इस वैन में उसने जरूरत की हर चीज रखी है और अंदर से इसे देखकर आपको लगेगा जैसे आप किसी महल में आ गए हैं।

द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार रेबेका शॉ एक सिंगल मदर हैं और अपने दो बच्चों के साथ एक वैन में रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 33 हजार फॉलोअर्स हैं वहीं टिकटॉक पर 3 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं जो उनकी लाइफस्टाइल से काफी इंस्पायर होते हैं। उन्होंने एक वीडियो में बताया कि वो पिछले 3 साल से, यानी करीब 2021 से वैन में बच्चों के साथ रही हैं। इस वैन के जरिए उनकी काफी बचत भी हुई है। वो एक इंटीरियर डिजाइनर हैं, जिससे उनकी कमाई होती है। उन्होंने एक वीडियो में बताया कि 3 सालों में उनके 1 करोड़ रुपये, किराये के तौर पर बचे हैं।

उनकी आरवी वैन का नाम फॉरेस्ट रिवर हेरिटेज ग्लेन 378 FL है। ये डबल स्टोरी वैन है। एक वीडियो में उन्होंने वैन का पूरा टूर करवाया। ऊपरी हिस्से में बच्चों के सोने के लिए बिस्तर लगे हैं। नीचे रेबेका के लिए एक बड़ा बेडरूम है जिसमें बिस्तर है। इसके साथ ही उनका एक छोटा ऑफिस स्पेस भी है जहां उनका कंप्यूटर रखा है। इसके अलावा उनके इस घर में वॉशिंग मशीन, किचन, बाथरूम, है और साथ ही ड्रॉइंग रूम के तौर पर सोफा भी है। उन्होंने वैन को बहुत खूबसूरती से सजाया है। उनके इस टूर वाले वीडियो को 1 लाख से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कई लोगों ने उनकी गाड़ी का मॉडल पूछा और कहा कि उन्होंने गाड़ी को बहुत खूबसूरती से सजाया है। एक ने कहा कि ये वैन कम और आम घर ज्यादा लग रहा है। कुछ वीडियोज में वो वैन की सफाई करते, या रोजमर्रा के अन्य काम करते हुए भी नजर आती हैं।

दिनभर टीवी देखती थी 3 साल की बच्ची, बाप ने हाथ में थमाया कटोरा

बच्चों को जन्म देने से ज्यादा मुश्किल होता है उन्हें पालना और संस्कार देना। खासतौर पर आज के युग में जब बच्चों के सामने इतनी तकनीकी और आकर्षित करने वाली चीज़ें मौजूद हैं, तो उन्हें एक बात पर फोकस करवाना माता-पिता के लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। यही वजह है कि उन्हें समझाने के लिए पैरेंट्स भी अलग-अलग तरीके निकालते रहते हैं। कुछ ऐसा ही पड़ोसी देश चीन के एक पिता ने किया। टीवी देखना और वक्त का ख्याल न रह जाना लगभग हर बच्चे की प्रॉब्लम होती है। इसके लिए माता-पिता कई बार सज़ा भी देते हैं लेकिन एक बाप ने अपनी 3 साल की बेटी को जो सज़ा दी, वो सुर्खियों में छा गई। कोई इसे सही तो कोई इसे गलत ठहरा रहा है। आप खुद इस घटना के बारे में जानकर अपनी राय बनाएं कि पिता ने सही किया गलत। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक गुआंग्सी ज़ुआंग नाम के प्रांत में युलिन की ये घटना है। यहां रहने वाले एक पिता ने जब देखा कि उनकी तीन साल की बेटी लगातार टीवी देख रही है तो उन्होंने उसे ऐसा करने से मना किया। उन्होंने उसे डिनर करने के लिए बोला लेकिन बेटी इस तरह टीवी में खोई थी कि उसने बात सुनी ही नहीं। गुस्साए पिता ने पहले तो टीवी बंद कर दी लेकिन बच्ची टीवी बंद होते ही ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी। अब पिता ने उस पर हाथ उठाने या चिल्लाने के बजाय हाथ में एक कटोरा थमा दिया। पिता ने बच्ची के हाथ में कटोरा थमाकर कहा कि उसे पहले इसे आंसुओं से भर देना होगा, उसके बाद ही वो दोबारा टीवी देख सकती है। चाइनीज़ सोशल मीडिया Douyin पर वायरल इस वीडियो में बच्ची कटोरे में आंसू बहाती हुई दिख रही है और 10 सेकंड बाद ही अपने पिता से कहती है कि वो ऐसा नहीं कर पाएगी। इतना सुनते ही उसके पिता बच्ची से स्माइल करने को कहा और वो आंसुओं के साथ ही हंस पड़ती है। वीडियो पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बच्ची को मासूम बताया है। बहुत से लोगों ने इस सज़ा और उसके पिता को गलत भी कहा।

शिक्षा विरोधी है बीजेपी सरकार : राहुल

» आईआईटी छात्रों के प्लेसमेंट पैकेज में गिरावट पर नेता प्रतिपक्ष बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के युवा बेरोजगारी से पूरी तरह हतोत्साहित हो गए हैं और दावा किया कि भाजपा की शिक्षा विरोधी मानसिकता के कारण उनका भविष्य अध्यक्ष में है। पूर्व कांग्रेस प्रमुख की टिप्पणी एक मीडिया रिपोर्ट पर आई है, जिसमें दावा किया गया है कि 2024 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) से स्नातक होने वाले इंजीनियरों के वेतन में नियुक्ति में मंदी के कारण गिरावट आई है। गांधी ने अपने व्हाट्सअप चैनल पर कहा कि आर्थिक मंदी का दुष्परिणाम अब देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी को भी भुगतना पड़ रहा है।

आईआईटी से प्लेसमेंट में लगातार गिरावट और वार्षिक पैकेज में गिरावट से युवाओं की हालत और खराब हो रही है, जो बेरोजगारी के चरम का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 2022 में 19प्रतिशत छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट नहीं मिल सका और यही दर इस साल दोगुनी होकर 38प्रतिशत हो गई। गांधी ने कहा कि जब देश के सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों का यह हाल है तो बाकी संस्थानों की क्या दुर्दशा होगी। आज युवा बेरोजगारी से पूरी तरह हतोत्साहित है - माता-पिता पेशेवर शिक्षा प्राप्त करने के लिए लाखों खर्च कर रहे हैं, जबकि छात्र उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। फिर नौकरी या सामान्य आय न मिलना ही उनकी वित्तीय स्थिति में गिरावट का कारण बन रहा है। गांधी ने कहा कि यह भाजपा की शिक्षा विरोधी मानसिकता का परिणाम है, जिसके कारण इस देश के मेधावी युवाओं का भविष्य अधर में है। क्या मोदी सरकार के पास भारत के मेहनती युवाओं को इस संकट से मुक्त कराने की कोई योजना है? उसने पूछा। गांधी ने कहा, विपक्ष अपनी पूरी ताकत से युवाओं की आवाज उठाना जारी रखेगा और इस अन्याय के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराएगा।

ऑनलाइन अटेंडेंस से ही स्कूली शिक्षा की समस्याएं नहीं होगी खत्म : प्रियंका

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद के बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने भी डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों का समर्थन किया है। प्रियंका ने फेसबुक पर लिखा प्रदेश के शिक्षक ऑनलाइन अटेंडेंस का विरोध कर रहे हैं। उनके तर्क जायज हैं कि ज्यादातर स्कूल दूर ग्रामीण इलाकों में हैं। इनकी दिक्कतों का ध्यान नहीं रखा गया। उन्होंने पूछा कि क्या ऑनलाइन अटेंडेंस से ही स्कूली शिक्षा की समस्याएं खत्म हो जाएंगी? उन्होंने कहा कि शिक्षकों को चुनाव ड्यूटी, पोलियो ड्यूटी, कोरोना ड्यूटी, कई तरह के सर्वे, रैली में भीड़ बढ़ाने, भूसा ढोने जैसे गैर शैक्षणिक कार्य में उलझाया जाता है। स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। शिक्षकों को हॉफ डे, पेड लीव व मेडिकल सुविधा नहीं है। इन समस्याओं का समाधान निकाले बिना अत्यावश्यक आदेश जारी करना शिक्षकों को भावनात्मक व मानसिक चोट पहुंचाना है। वहीं आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव अजय गुप्ता ने भी शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करने के आदेश को तानाशाही बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस आदेश को तुरंत वापस ले।

दिल्ली में बिजली की दरें बढ़ने पर सियासी उबाल

» भाजपा ने आप सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी में बिजली दरों में हुई बढ़ोतरी के बाद सियासत गरमा गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि समय रहते अतिरिक्त बिजली खरीदने का इंतजाम नहीं किया गया। प्रबंधन के लिए एक्शन प्लान तक नहीं बनाया। गर्मी अपने पीक पर पहुंची तो पॉवर कट होने लगे।

सचदेवा ने आरोप लगाया कि सरकार एवं डिस्कॉम ने साठगांठ कर 8.75 फीसदी बिजली दर बढ़ा कर पीपीएसी 43.79 फीसदी तक बढ़ा दिया। बिजली मंत्री आतिशी बताएं कि क्या पावर डिस्कॉम को बिना डीईआरसी की पूर्व स्वीकृति के पीपीएससी बढ़ाने का अधिकार है।

बिजली कंपनियों का नहीं किया ऑडिट : लवली

भाजपा के वरिष्ठ नेता अरविंदर सिंह लवली ने मीडिया से बातचीत में कहा कि केवल गर्मी में ज्यादा कंज्यूम करने से बिजली बिल नहीं बढ़े बल्कि बिजली बिल बढ़ने का मुख्य कारण है पीपीएसी। केजरीवाल सरकार के वादों के बाद भी पिछले 10 साल के बाद भी बिजली कंपनियों का ऑडिट नहीं किया गया है। डीईआरसी के सदस्य को अभी तक नियुक्त नहीं किया गया। लवली ने अपने घर की बिजली बिल दिखाते हुए कहा की 4000 रुपये से अधिक का पीपीएसी लगा है पेंशन ट्रस्ट सरचार्ज जो पहले 1.5 फीसदी था अब बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया गया है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने इस मौके पर कहा कि पहले पानी अब बिजली के बहाने दिल्ली की जनता के साथ लूट का खेल चल रहा है।

जनता को गुमराह कर रही भाजपा : आतिशी

दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने बिजली की बढ़ी दरों पर भाजपा की सियासत की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में बिजली की कीमतें सबसे ज्यादा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सबसे कम कीमतों पर बिजली देती है।

आतिशी ने दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि वर्तमान पीपीएसी में कोई बदलाव नहीं होगा। 2003 के विद्युत अधिनियम के अनुसार, डिस्कॉम बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए गर्मियों में पीपीएसी को 10 फीसदी तक बढ़ा सकता हैं, ये प्रावधान संसद में 2003 से अधिनियम पारित होने के बाद से लागू है।

हिट एंड रन पर महाराष्ट्र में बवाल

» शिंदे सरकार के बुलडोजर न्याय का क्या हुआ : आदित्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन मामले में जो भी दोषी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले के मुख्य आरोपी मिहिर शाह की गिरफ्तारी के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर सवाल उठाया कि क्यों कोई बुलडोजर न्याय नहीं किया गया।

वर्ली हिट एंड रन केस की पीड़िता के पति से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, यह हादसा नहीं, हत्या है। मिहिर शाह को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। अगर आपको न्याय करना है तो आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाओ। यदि आप 7 घंटे के बाद रक्त का नमूना लेंगे तो क्या आपको वह रक्त मिलेगा जिसकी आपको आवश्यकता है?

आरोपी मिहिर और ड्राइवर से की गई पूछताछ

पुलिस ने 23 साल के आरोपी मिहिर शाह और उसके ड्राइवर राजरिशी बिदावत को आमने-सामने बैठाया और पूछताछ की। इस दौरान दोनों ने अपना अपराध कबूल कर लिया। शाह ने कबूल किया कि दोपहिया वाहन को टक्कर मारने के बाद उसने अपने ड्राइवर के साथ सीट बदल ली थी। इतना ही नहीं, पुलिस ने आरोपी की मौजूदगी में घटनास्थल पर पूरे हादसे का नाट्य रूपांतरण किया।

» वसीम कादरी ने उठाया था सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भरण-पोषण का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पति से भरण-पोषण की मांग कर सकती हैं। इस मामले में पति की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एस वसीम ए कादरी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मुद्दा उठाया गया था कि क्या सीआरपीसी की धारा 125 के तहत आवेदन लागू किया जा सकता है।

एक तलाकशुदा महिला द्वारा पोषणीय या वह विशेष अधिनियम की धारा 3 के तहत आवेदन दायर करने की हकदार है...लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इससे आगे बढ़कर कहा है कि इस मुद्दे के अलावा, महिला यदि वह एक गृहिणी है और उसके पास कोई स्रोत नहीं है आय - संयुक्त खाता बनाए रखने का अधिकार है, इसलिए यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। यह केवल तलाकशुदा महिला या मुस्लिम महिला पर लागू नहीं होता है सभी महिलाओं के लिए, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने फैसले का स्वागत किया

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की प्रमुख रेखा शर्मा ने मुस्लिम महिलाओं के लिये गुजारा भत्ता मांगने के अधिकार की पुष्टि करने वाले उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह फैसला सभी महिलाओं के लिए लैंगिक समानता एवं न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।

मुस्लिम महिलाओं की प्रार्थनाओं का है परिणाम : शाजिया इल्मी

सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी पर कि मुस्लिम महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पति से गुजारा भत्ता मांग सकती हैं, भाजपा नेता शाजिया इल्मी का कहना है,यह एक ऐतिहासिक फैसला है और सभी मुस्लिम महिलाओं के लिए राहत है। इस फैसले के तहत, कोई भी तलाकशुदा मुस्लिम महिला मांग कर सकती है। सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण भत्ते की मांग को पूरा करना अनिवार्य होगा, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि यह किसी भी तरह का दान नहीं है और एक तलाकशुदा महिला अदालत का दरवाजा खटखटा सकती है और इस धारा के तहत भरण-पोषण की मांग कर सकती है। मुझे लगता है कि यह बहुत सारी मुस्लिम महिलाओं की प्रार्थनाओं का परिणाम है।

भारत के युवा खिलाड़ियों ने फिर दिखाया दम

» तीसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 23 रनों से रौंदा

» सीरीज में बनाई बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरारे। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस समय जिम्बाब्वे दौरे पर है। जहां, दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है। बुधवार को भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे तीसरे टी20 मुकाबले में 23 रन से हरा दिया और सीरीज में 2-1 की बढ़त भी बना ली है।इससे पहले जहां भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले मुकाबले में हार झेलनी पड़ी।

वहीं दूसरे मुकाबले में भारत की युवा टीम ने जिम्बाब्वे को 100 रन से हराया था। इसके साथ ही अब तीसरे मुकाबले में भी भारतीय टीम को 23 रन से बेहतरीन जीत मिली है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेले गए तीसरे मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रनों का टारगेट सेट किया। जिसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 6 विकेट गंवाकर 159 रन पर ही सिमट गई। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज अपनी छाप नहीं छोड़ सका। जबकि भारत की तरफ से वॉशिंगटन सुंदर ने 3 और आवेश खान ने 2 विकेट झटके। वहीं खलील अहमद को 1 विकेट की सफलता मिली।

गिल व गायकवाड़ की सधी बल्लेबाजी

इसके साथ ही पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने 4 विकेट गंवाकर 182 रन बनाए मैच में शुभमन गिल के साथ यशस्वी जायवाल ने ओपनिंग की। गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए 49 गेंदों में 66 रन की पारी खेली, इस दौरान उन्होंने 3 छक्के और 7 चौके जमाए जबकि यशस्वी ने 36 रन बनाए। इसके अलावा मिडिल ऑर्डर में ऋतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंदों में 49 रनों की पारी खेली। पिचले मैच में शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा को नंबर 3 पर भेजा गया जो 10 रन ही बना सके। जिम्बाब्वे की तरफ से कप्तान और स्पिनर सिकंदर रजा ने 2 विकेट झटके, ब्लेसिंग मुजारबानी को भी 2 विकेट की सफलता मिली।

हमारे पास रजिस्ट्री फिर भी घरों पर लगे लाल निशान

हमारे पास घरों की रजिस्ट्री है, वैध दस्तावेज हैं, हाउस टैक्स और बिजली का बिल देते हैं लेकिन अब हमारे घरों को तोड़ने के लिए सरकार निशान लगा रही है। अधिकारी आते हैं नक्शे में कुछ देखते हैं और निशान लगा देते हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि निशान क्यों लगा रहे हैं। हमारे घर क्यों तो? जा रहे हैं तो वो कुछ नहीं बताते सिर्फ कहते हैं कि ऊपर से आदेश है। यह दर्द है राजधानी के पंतनगर, रहीम नगर और खुर्रम नगर के लोगों का जिनके घरों को कुकरैल रिवरफ्रंट विकसित करने के लिए तोड़ने की तैयारी की जा रही है। गुरुवार को उनके मकानों को तोड़ने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा गठित संयुक्त टीम ने सर्वे किया और मकानों को चिन्हित कर निशान लगाए।

मप्र में अनुसूचित क्षेत्रों की ग्राम सभा में आरएसएस की घुसपैठः दिग्विजय

पूर्व सीएम का संघ पर हमला- बोले कांग्रेस के लोगों को किया जा रहा परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अपने बयान के चलते चर्चा में रहने वाले मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि अनुसूचित क्षेत्रों की ग्राम सभा में आरएसएस का घुसपैठ है। पीईएसए की धारा 13 (3) क की ग्राम सभा के अधिकार भी अब आरएसएस के हाथ में हैं।

दिग्विजय सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि अनुसूचित क्षेत्रों की ग्रामसभा में आरएसएस का इंफील्ट्रेशन (घुसपैठ) पीईएसए की धारा 13 (3)क की ग्रामसभा के अधिकार भी अब आरएसएस के हाथ में अगर इस तरह का आदेश कलेक्टर न माने तो उनके विरुद्ध क्या पैनल प्रोविजन है? आठ जुलाई 2021 की खबर है, खबर का फॉलोअप नहीं लिया गया, मेरी जानकारी के मुताबिक ग्राम सभा का गठन फिलहाल पेसा ग्राम मोबिलाइजर ही कर रहे हैं।

आरएसएस वालों को चुन-चुन कर बनाया ब्लॉक कोऑर्डिनेटर

उन्होंने आगे लिखा कि पेसा मोबिलाइजर के ऊपर पेसा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर है, जो आरएसएस विचारधारा वालों को ही चुन-चुन कर बनाया गया है। पेसा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के ऊपर डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर है। उन्हें भी संघ से जुड़े लोगों को ही बनाया गया है। इनके ऊपर उपसचिव है, जिसने पेसा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर बनाए। यानी अप्रत्यक्ष रूप से ग्रामसभा का गठन आरएसएस विचारधारा के गांव में रहने वाले युवकों से ही किया जा रहा है।

गांव में सत्ता के दो ध्रुव बना दिए गए

दिग्विजय सिंह ने कहा है कि जहां-जहां कांग्रेस या अन्य स्वतंत्र विचारधारा के लोकतांत्रिक प्रणाली से चुने हुए सरपंच हैं, वहां यह आरएसएस वाली ग्राम सभाओं को पावर डेलिगेट कर गांव में सत्ता के दो ध्रुव बना दिए गए हैं। प्रशासन को भी इस तरह के निर्देश हैं कि जहां कांग्रेस के सरपंच हैं, वहां इन आरएसएस वाली ग्राम सभा को सरकारी कार्य में तवज्जो दी जा रही है। जो नेचुरल कम्युनिटी वाले या ग्राम गणराज्य वाले गांव मुकद्दम संगठन वाले, ग्राम सभा कर रहे हैं।

आरएसएस विचारधारा को पहनाया जा रहा अमलीजामा

उन्होंने कभी आरएसएस के इस षड्यंत्र पर एक शब्द भी नहीं बोला, किस तरह आरएसएस विचारधारा को ग्रामसभा के माध्यम से अमली जामा पहनाया जा रहा है। जब भी शासन को आदिवासी अनुसची क्षेत्रों में कोई प्रोजेक्ट लाना होगा, तब इन्हीं फर्जी ग्रामसभा से अनुमति लेकर प्रोजेक्ट पूरे किए जाएंगे। टाइगर प्रोजेक्ट के नाम पर जो शेड्यूल एरिया की जमीन से सैकड़ों गांव विस्थापित हो रहे हैं, उसके विरुद्ध कितने ग्राम सभा ने निंदा प्रस्ताव पारित किए गए हैं?

उन्नाव के बाद हाथरस के सिकंदराराऊ में हादसा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

हाथरस। 11 जुलाई की प्रातः 3 बजे सिकंदराराऊ से एटा हाइवे 34 पर गांव टोली के निकट जिओ पेट्रोल पंप पर खड़े कैंटर में निजी बस ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि आधी बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे से में दो लोगों की मौत हो गयी और 38 लोग घायल हुए। इनमें से सात गंभीर घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। 11 को हाथरस जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक निजी बस पंजाब के चंडीगढ़ से बांगरमऊ जा रही थी । सिकंदराराऊ से एटा रोड पर 15 किलोमीटर दूर गांव टोली पर जिओ पेट्रोल पंप पर खड़े कैंटर में पीछे से बस ने टक्कर मार दी। बताया जा रहा है की बस चालक को झपकी आ गई थी, इसके चलते यह टक्कर हुई। टक्कर के बाद कोतवाली पुलिस तथा आसपास के गांव के लोगों ने राहत कार्य प्रारंभ कर दिया। घायलों को सिकंदरा राव समुदायक केंद्र भिजवा दिया गया। टक्कर के बाद घटना स्थल पर ही एक अज्ञात की मृत्यु हो गई तथा दूसरे की मृत्यु अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हो गई। हाथरस के डीएम आशीष कुमार का कहना है कि इस हादसे में दो की मौत हुई है और 16 घायल हुए हैं।

राजसमंद में टक्कर के बाद कार के ऊपर पलटा टैंकर, दबने से चार की गई जान

तेज रफ्तार ने एक बार फिर चार की जिंदगी छीन ली। राजसमंद जिले में गुरुवार सुबह तेज रफ्तार टैंकर और कार में जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर के बाद टैंकर कार के ऊपर पलट गया। दर्दनाक हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद जिला कलेक्टर डॉक्टर भंवरलाल और एसपी मनीष त्रिपाठी ने भी घटना स्थल पहुंचे।

नाराज जेई अभ्यर्थियों ने सीएम आवास पर किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी करने की मांग को लेकर जेई 2018 भर्ती के अभ्यर्थियों ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री आवास पर प्रदर्शन किया।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बस में लाद कर कर इको गार्डेन रवाना कर दिया। अभ्यर्थी अंतिम परिणाम जारी कराने के लिए 9 माह से आयोग और जनता दरबार के चक्कर लगा रहे हैं।

कठुआ में सर्जिकल ऑप्रेशन को जंगल में उतरे पैरा कमांडो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। भारतीय सेना ने अपने पांच साथियों के बलिदान का बदला लेने के लिए जिला कठुआ के बिलावर के बदनोता में तलाशी अभियान तेजी से जारी है। गुरुवार को जिला पुलिस लाइन कठुआ में जम्मू कश्मीर डीजीपी आरआर स्वैन, पंजाब के डीजीपी सहित सेना और खुफिया एजेंसियों के आला अधिकारी बैठक करने के लिए पहुंचे हैं।

सूत्रों का कहना है कि एजेंसियां आपस में समन्वय मजबूत करने के लिए यह बैठक कर रही हैं। आतंकी हमलों को रोकने और अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर आज कठुआ में मंथन होगा। इस बैठक के बाद एक रिपोर्ट गृह और रक्षा मंत्रालय को भेजी जाएगी। उधर, पुलिस ने ट्रैक्टर चालक समेत 23 संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सर्जिकल ऑपरेशन के लिए सेना के पैरा कमांडो जंगल में उतारे हैं। चॉपर और ड्रोन की मदद भी ली जा रही है।

रिश्ते बेहतर करने की जिम्मेदारी भारत की ही नहीं पाक की भी : उमर

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में जम्मू संभाग में हुए आतंकी हमलों को लेकर पाकिस्तान को घेरा। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते बेहतर हों, इसकी जिम्मेदारी सिर्फ भारत की नहीं, इसमें पाकिस्तान का भी फर्ज बनता है। जिस तरह के जम्मू कश्मीर में हमले हो रहे हैं, वो नहीं होने चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।